



**Kalpamrit**  
Rejuvenate your Life

**WELCOME**

कल्पामृत एग्री उत्पाद.....

कम लागत  
अधिक उत्पादन

# भारत में कृषि परिदृश्य और क्षमता ।

- > भारत में, हमारे पास **395** मिलियन एकड़ कृषि योग्य भूमि है, जो अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है।
- > भारत की 60% भूमि का उपयोग खेती में किया जाता है।
- > कृषि, कुल भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 18% योगदान देती है, यह आंकड़ा लगभग 40 लाख करोड़ है।
- > हम दुनिया में चावल, गेहूं और दालों के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक हैं।



**Kalpamrit**  
Rejuvenate your Life

# INDIA & AGRICULTURE



- कृषि उत्पादन के मामले में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है !
- कृषि एक्सपोर्ट्स के मामले में भारत का विश्व में नवा स्थान है !
- कृषि लगभग 58% भारतीयों के लिए जीविका का प्राथमिक स्रोत है !

# किसानों की चिंताएं

- पानी की कमी
- कीटनाशक, फफूंदनाशक और उर्वरक का व्यापक उपयोग।
- बीज की गुणवत्ता की समस्या।
- मौसम की मार।
- कम उत्पादन।
- मट्टी की उर्वरकता में कमी।
- उत्पादन की खराब गुणवत्ता।
- कृषि फसल का कम मूलयांकन।

कमजोर फसलें, बढ़ती बीमारियां, बढ़ती कीटनाशक दवाई, बढ़ती लागत



# कृषि सवाल

1. क्या पहले के मुकाबले मिट्टी आप को कमजोर नजर आती है या उर्वरा शक्ति बढ़ी है?
2. क्या पहले के मुकाबले फसल की किस्म अच्छी है या बेकार ?
3. क्या पहले के मुकाबले वास्तविक पैदावार बढ़ी है या नहीं ?
4. क्या पहले के मुकाबले आज आप की लागत ज्यादा है या कम?
5. क्या पहले के मुकाबले फसलों पर लगने वाली बीमारियों व कीटों की आक्रमण में बढ़ोतरी हुई है
6. मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाली प्राणी केंचुआ, बैक्टीरिया समाप्त हो चुके हैं





## धुम्रपान का इस्तेमाल

बीड़ी सिगरेट तंबाकू या शराब का सेवन करने से व्यक्ति क्षणिक जोश तो महसूस करता है लेकिन धीरे-धीरे यह उसके शरीर को खराब करती चली जाती है

# रासायनिक खादों का इस्तेमाल



यूरिया, डी ए पी, रासायनिक दवा धरती को कुछ समय के लिए तो जोशीला बना देती हैं परंतु धीरे-धीरे धरती को कमजोर कर रही है

# किसानों की तंगहाली

रासायनिक खादों का अधिक  
उपयोग होने के कारण दिन  
प्रतिदिन खेती की लागत  
बढ़ती जा रही है जो किसानों  
की तंगहाली का सबसे  
बड़ा कारण है





# ऐसा क्यों..?

## प्रति एकड़ यूरिया की खपत

साल	एकड़	खपत
1995	1	5 kg
आज	1	100Kg(न्यूनतम)

अधिक पैदावार के लिए किसानों ने यूरिया और डीएपी खाद का उपयोग करना शुरू कर दिया। इन खादों से पैदावार तो अच्छी हुई, लेकिन क्षमता से अधिक इस्तेमाल के कारण इसका मिट्टी के उपजाऊपन पर असर पड़ने लगा है।



आइए जानते हैं कि रासायनिक  
खाद धरती को किस तरह नुकसान  
पहुंचा रही है

# रासायनिक खाद के नुकसान



- > नाइट्रोजन की वजह से मिट्टी तक और भूरी भूरी होती जा रही है
- > किसानों के मित्र कहे जाने वाले केचुआ विलुप्त हो रहे हैं
- > खादों से खेतों में एक परत बनती जा रही है और प्राकृतिक छिद्र दिनों दिन बंद होते जा रहे हैं जिसके कारण से 80% परसेंट की लागत बेकार हो जाती है



# प्रदूषण

पिछले 30 वर्षों से प्रदूषित खेती

- . दूध में ओक्सीटोसीन के इंजेक्शन
- . यूरिया
- . कीटनाशक
- . केमिकल युक्त सब्जियां
- . कारबाइड युक्त फल
- . हाइब्रिड किस्म के अनाज



भोजन के साथ 4 से 5 किलो हानिकारक केमिकल का सेवन प्रति वर्ष

# रासायनिक खेती का रास्ता है:



पौधे को अप्राकृतिक रूप से ताकत देना ताकि पौधा जल्दी और ज्यादा ज्यादा उपज दे सके। इस खेती में कुदरत के नियमों का ख्याल नहीं रखा जाता।

**यह एक हिंसक खेती है।**

मिट्टी की सेहत बचाएं ताकि पौधे ताकतवर बने ताकि मनुष्य की सेहत बरकरार रहे।

**यह एक हिंसा-रहित खेती है।**



# जैविक खेती का रास्ता है:

कमजोर (बीमार)  
मिट्टी

=

कमजोर (बीमार)  
पौधा

=

कमजोर (बीमार)  
मनुष्य



जैसा अन्न

॥

वैसा तन

ताकतवर  
मिट्टी

=

बलवान  
पौधा

=

स्वस्थ और खुश  
मनुष्य



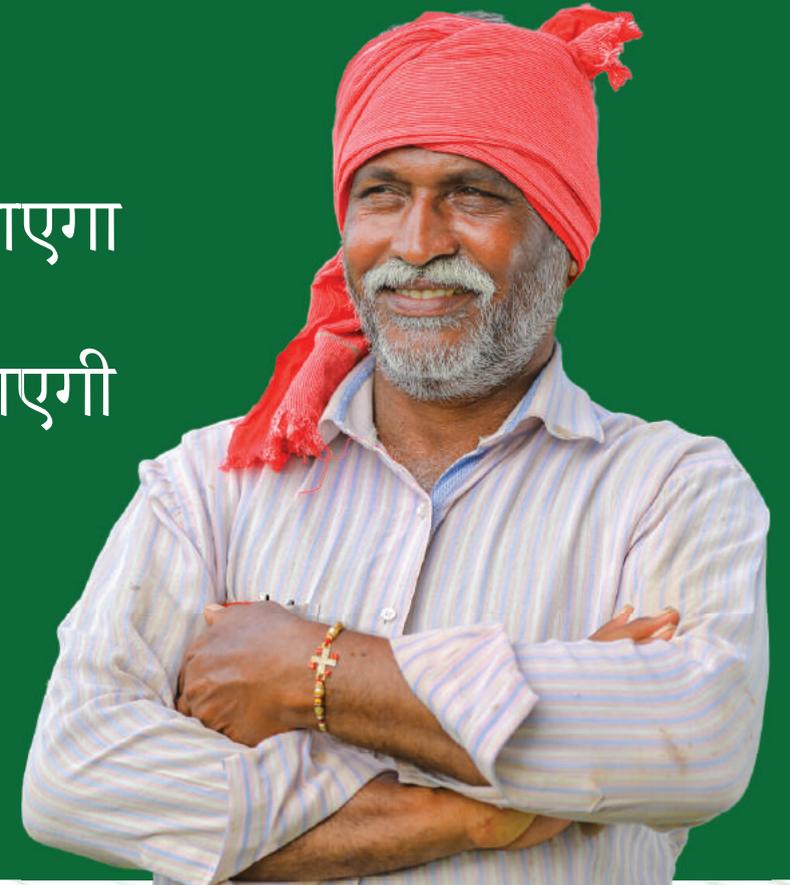
॥  
वैसा मन

# कल्पामृत कृषि उत्पाद क्यों ?

- रासायनिक उर्वरक पर किसान की निर्भरता को कम करने की दृष्टि से
- ग्रामीण क्षेत्र में अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए
- कल्पामृत व्यवसाय के साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए
- हमें अपने देशवासियों को एक स्वस्थ भोजन देना ताकि वह स्वस्थ और लंबा जीवन जिये

# कल्पामृत कृषि उत्पाद के फायदे

- > आप की खेती की उपज बढ़ जाएगी
- > आप की खेती में लगने वाली लागत खर्च कम हो जाएगा
- > आप की जमीन की उपजाऊ अक्षमता अच्छी हो जाएगी
- > फसल की क्वालिटी भी अच्छी होगी
- > पोषक तत्वों से भरपूर होगा आपका अन्न



# मुख्य तत्व कृषि के लिए



- » नाइट्रोजन
- » फास्फोरस
- » पोटेशियम
- » कैल्शियम
- » मैग्नीशियम
- » गंधक (सल्फर)
- » लोहा (आयरन)
- » जस्ता (जिंक)
- » तांबा (कोपर)
- » बोरान
- » मैंगीज
- » क्लोरीन



	पौध की विभिन्न अवस्था	लगने वाले तत्वों की मात्रा
1.	प्रारंभिक पौध वृद्धि (2 या 3 पत्ती)	कम मात्रा
2.	पौध वृद्धि अवस्था (संपूर्ण विकास)	अधिक मात्रा
3.	फूल और फल बनने की अवस्था	अत्यधिक मात्रा
4.	फल विकास की अवस्था	मध्यम मात्रा
5.	परिपक्वता	कम मात्रा

# किसान भाइयों के लिए शानदार जैविक कृषि उत्पाद



वर्गीकरण	कल्पामृत कृषि उत्पाद
उत्प्रेरक	1. एक्टिव स्पीड(Active Spread)
पोषण	2. स्वायल पावर(Soil Power) 3. पावर ग्रो(power Grow)
पौध संरक्षण	4. लार्वीसाइड (Larvi cide) 5. फंजीसाइड (Fungi Side) 6. बैक्टीरियासाइड (BectrioCide) 7. टर्मिसाइड (TermiCide)

# कृषि में मुख्यतः 4 स्टेज होती है

1. बिजाई/बुवाई व बीज उपचार की स्टेज
2. बड़वार/ग्रोथ की स्टेज
3. फूल व बली बाली की स्टेज
4. फल व दाना की स्टेज



# FLAGSI ACTIVE SPREAD



## क्या है

- » यह एक नॉन आयनिक जैविक कृषि उत्पाद है 80% सक्रिय तत्व वाला सहायक जिसको सभी प्रकार के छिड़काव किए जाने वाले रसायनों एवं सिंचाई जल में मिलाकर कर उपयोग किया जाता है। सर्फैक्टेंट को अच्छा (activator) उत्प्रेरक एवं (Spreader) प्रसारक बनाता है एवं बाकी 20% निष्क्रिय पदार्थ होता है।
- » एक बहुत ही असरकारक लिक्विड है, जो कि पानी के तनाव को कम करता है जिससे पानी धरती में 30 cm तक भरपूर नमी पैदा कर पाता है।
- » Flagsi Active Spread किसी भी प्रकार की खाद नहीं है। यदि आप किसी खाद अथवा कीटनाशक के साथ इसका प्रयोग करते हैं तो यह उसके प्रभाव को दो गुना तक बढ़ा देता है।



# Flagsi Active Spread के फायदे



एक प्रकार का Activator है किसी भी प्रकार की दवाई/ खाद के प्रभाव को लगभग दो गुणा बढ़ा देता है।

यदि आप इसको सिचाई के समय अपने खेत में डालते हैं तो यह जमीन की सतह को मुलायम बनाकर खेत में नमी बनाये रखता है। इसमें PH का अच्छा बैलेंस होता है। जिससे यह आपकी जमीन को अम्लीय तथा क्षारीय होने से बचाता है।

एक प्रकार के गोंद की तरह काम करता है। जिससे यदि इसके छिड़काव के बाद यदि पानी का बहाव ज्यादा रहता है तो यह उसी स्थान पर चिपक जाता है।

यह अत्यंत ही घुलनशील है। जिस कारण से यह पानी में अच्छी तरह से घुल जाता है।

यह 100% Organic है। अतः इसके प्रयोग से आपकी फसल को कोई भी नुकसान नहीं होता है।

# Flagsi Active Spread के फायदे



- > Flagsi Active Spread से खेतों में लगने वाली दवाइयों की मात्रा कम होती जाती है।
- > Flagsi Active Spread से खाद कम लगानी होती है।
- > यह बीज और दवाओं की क्रियाशीलता को बढ़ाता है।
- > कम पानी वाली जगहों पर इसके प्रयोग से अच्छी फसल होती है।
- > यह फसल की पैदावार को बढ़ाता है।
- > यह फसल की गुणवक्ता को बढ़ाता है।



# FLAGSI ACTIVE SPREAD



Flagsi Active Spread से खेतों में लगने वाली दवाइयों की मात्रा कम होती जाती है।

Flagsi Active Spread से खाद कम लगानी होती है।

यह बीज और दवाओं की क्रियाशीलता को बढ़ाता है।

कम पानी वाली जगहों पर इसके प्रयोग से अच्छी फसल होती है।

यह फसल की पैदावार को बढ़ाता है।

यह फसल की गुणवक्ता को बढ़ाता है।



# उपयोग के तरीके एवं लाभ



1. 80 लीटर पानी में 160 मिलिलीटर Active Spread मिला कर प्रति एकड़ की दर से भूमि उपचार करने पर यह भूमि के पी एच को सही बना कर रखता है, मिट्टी को भुरभुरी बना कर रखने में सहायक होता है मिट्टी में नमी ज्यादा दिनों तक बनी रहती है
- > सिंचाई करनी है तो आप 12 घंटे पहले 15 लीटर की टंकी में 12 से 15 ml Active Spread को मिलाकर टंकी के द्वारा जमीन पर छिड़काव करें। अब 12 घंटे बाद खेतों में पानी दे।
  - > सिंचाई का पानी जमीन में 30 cm गहराई तक पहुँच जाता है, यह लगभग 30 दिनों तक प्रभावशाली रहता है। अब आपको फसल पर सामान्य से 7 दिन बाद ही सिंचाई करनी है

# उपयोग के तरीके एवं लाभ

2. 100 किलो बीज के साथ 160 मिलिलीटर की दर से फंगीसाइड वा कल्चर के साथ मिला कर बीज उपचार करने से बीज की अंकुरण क्षमता बढ़ती है, मृदा जनित एवं बीज जनित रोगों से बचाव होता है।
3. 15 लीटर पानी में 05 मिलिलीटर की दर से कीटनाशक दवा के साथ मिला कर छिड़कव करने से लक्ष्य भेदन क्षमता बढ़ती है और स्प्रे संख्या मे कटौती होती है।
4. 15 लीटर पानी में 20 मिलिलीटर की दर से नींदानाशक के साथ मिला कर छिड़काव करने से नींदानाशक की क्रियाक्षेत्र में वृद्धि करता है जिससे यह पत्ती मे एकसार फैलता है और नींदा को नष्ट करने में ज्यादा प्रभावशील होता है।

# उपयोग करने की मात्रा

कीटनाशक, फंगीसाइड, फोलियर, फर्टिलाइजर, डिफोलिएटर, प्लांट न्यूट्रिएंट्स के साथ	15 लीटर के घोल में 5ML एक्टिव स्प्रेडर
हर्बीसाइड (खरपतवार) के साथ	15 लीटर के घोल में 20 ML एक्टिव स्प्रेडर
सिंचाई के सहायक	160ml 80 लीटर पानी में प्रति एकड़

# FLAGSI ACTIVE SPREAD का इस्तेमाल मे सावधानियां

- **Flagsi Active Spread पूर्णतयः एक प्राकृतिक प्रोडक्ट है। अतः इसका प्रयोग कभी भी अकेले नहीं करना चाहिए। अन्यथा इससे आपको कोई भी फायदा नहीं होगा। इसका प्रयोग हमेशा किसी खाद अथवा दवाई के साथ ही करना चाहिए। सका अकेले प्रयोग आपको कोई भी लाभ नहीं देगा।**
- 15 लीटर की दवाई छिड़काव करने वाली मशीन में 5 ml डाला जाता है, और दवाई की मात्रा को 30 प्रतिशत कम करके घोल बनाएं
- यदि आप पहले किसी कीटनाशक, खरपतवार को 100 मिलीलीटर प्रयोग करते थे तो आपको उसकी मात्रा को घटाकर 70 मिलीलीटर कर देना है।

# फलैगसी स्वायल पावर



- ★ सबसे उत्तम फॉर्मूलेशन
- ★ ओर्गानिक दानेदार खाद
- ★ डी ए पी का विकल्प
- ★ महत्वपूर्ण स्तरों पर छोटे पोषक तत्व की कमी से उपज में कमी हो सकती है



Bio Activated Plant Protection

Net Vol : 5kg

# Bio Activated Plant Nutrition

## फलैगसी स्वायल पावर के लाभ

1. स्वायल पावर फ़र्टिलाइज़र के रूप में प्रयोग किया जाता है
2. प्रकाश संश्लेषण क्रिया बढ़ाता है जिससे पौधे ज्यादा हरे होते हैं और ज्यादा भोजन बनाते हैं
3. स्वायल पावर में कुछ ऐसे तत्व हैं जो पौधों को वातावरण के दुष्प्रभाव से लड़ने की शक्ति बढ़ाते हैं
4. स्वायल पावर का लगातार उपयोग पौधों फसलों को बहुत सारे बैक्टीरिया और फंगस से लड़ने की शक्ति बढ़ाता है
5. स्वायल पावर जड़ों से रिसाव करता है जिससे मिट्टी के माइक्रो ऑर्गेनिक को पोषण मिलता है जिससे मिट्टी में माइक्रो बढ़ते हैं साथ ही पोषक तत्व के घुलनशीलता और संचरण में सुधार करने में मदद करता है
6. पौधों और फसलों में सफेद जड़ों की संख्या को बढ़ाता है जिससे पौधे फसल मिट्टी से ज्यादा पोषण लेते हैं
7. फल और सब्जी में एक समान पैदावार को प्रेरित करता है फूल और सब्जियों के जीवन को बढ़ाता है



# स्वायल पावर के फायदे

1. बीजों के अंकुरण में बढ़ोतरी
2. बेहतर प्रकाश संश्लेषण
3. फसलों के तनाव को कम करना
4. सफेद जड़ों को बढ़ाना
5. अच्छी पैदावार
6. पर्यावरण हितैषी उत्पाद
7. मिट्टी के माइक्रोफ्लोरा में बढ़ोतरी
8. बेहतर फल और फूल फलों को बेहतर गुणवत्ता



# विभिन्न फसलों में स्वायल पावर का उपयोग

- > खेत की फसल
- > लोन गार्डन
- > दलहन
- > गोल्फ कोर्स
- > सब्जियां
- > ग्रीन हाउस
- > वृक्षारोपण
- > फूलों की खेती
- > बागवानी फसलें
- > चारा फसलें
- > तिलहन मसाले



Net Vol : 5kg

# स्वायल पावर मात्रा एवं उपयोग

- खेत की फसलों सब्जियों और अन्य नकदी फसलों के लिए 1 एकड़ में 5 किलोग्राम प्रयोग करें
- फल वाली फसलों के लिए वर्ष में दो बार 25 से 50 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें
- नर्सरी में आधा एकड़ में 5 किलोग्राम



# फलैगसी पावर ग्रो



## Bio Activated Plant Protection

- ▶ एक जैव उत्प्रेरक हैं इसमें बड़ी मात्रा में पोटेशियम और प्राकृतिक हार्मोन होते हैं
- ▶ पौधे में मेटाबोलिक और फिजियोलॉजिकल गतिविधियों की प्रक्रिया को सक्रिय करता है
- ▶ रासायनिक उर्वरक जैसे डीएपी यूरिया आदि पर निर्भरता को कम करता है



Net Vol : 250ml

# फलैगसी पावर ग्रो फायदे

पोषक तत्व को लेने की क्षमता और बीज के अंकुरण में सुधार करता है

जोरदार अंकुर विकास

मृदा माइक्रोबबैल गतिविधि की बढ़ाता है

रासायनिक उर्वरक जैसे डीएपी यूरिया आदि पर निर्भरता को कम करता है

विषैला नहीं है पर्यावरण के अनुकूल

फलों और फूलों का टूटना कम करता है

# फलैगसी पावर ग्रो फायदे

पौधों की जड़ों तथा पूरे सिस्टम को मजबूत करता है

अनाज फलों का बेहतर विकास (आकार और वजन में)

फसलों की बेहतर shelf-life उपज और गुणवत्ता में सुधार

पौधों को तनाव की स्थिति में प्राकृतिक रूप से रक्षा प्रणाली सुधरता है

गैर रसायनिक और उपयोग में सुरक्षित

पौधे में मेटाबोलिक और फिजियोलॉजिकल गतिविधियों की प्रक्रिया को सक्रिय करता है



## विभिन्न फसलों में पावर ग्रो का उपयोग

1. खेत की फसल
2. दलहन
3. ब्जियां
4. वृक्षारोपण
5. बागवानी फसलें
6. तिलहन मसाले
7. ग्रीन हाउस
8. फूलों की खेती
9. चारा फसलें

## फलैगसी पावर ग्रो- मात्रा एवं उपयोग

- > 500 मिलीलीटर पावर ग्रो 1 एकड़ से अधिक भूमि पर स्प्रे के लिए पर्याप्त है
- > बुवाई के 15 दिन बाद 3ml प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें

# फलैगसी लार्वीसाइड

Bio Activated Plant Protection



Net Vol : 250ml



**Kalpamrit**  
Rejuvenate your Life

- > एक जैविक कीटनाशक दवा है जो विशेष रूप से कीड़ों के लारवा को नष्ट करने में सहायता /प्रदान करता है
- > इसका उपयोग ज्यादातर लारवा तथा कैटरपिलर कीट को मारने के लिए किया जाता है
- > मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है फसल को कोई नुकसान नहीं होता उत्पादन में वृद्धि होती है
- > लार्वा कीटों के लिए अतिसंवेदनशील फसलों के लिए एक कीटनाशक और एक विकर्षक के रूप में कार्य करता है
- > एक कीट के विकास और शरीर क्रिया विज्ञान को बाधित करके संपर्क या अंतर्ग्रहण पर काम करता है, साथ ही एक एंटी फीडेंट के रूप में कार्य करता है।

# फलैगसी लार्वीसाइड



## विशेषताएँ

- डायमंड बैक मोथ, शलजम, मोथ, गोभी मोथ और आम गोभी तितली के खिलाफ प्रभावी ।
- आर्मीवर्म, वेब वर्म, टोबैको कटवर्म, कॉर्न ईयरवॉर्म, बीट आर्मी वर्म और कटे हुए वर्म के खिलाफ प्रभावी ।
- धान की पत्ती रोलर, तना बेधक, फंगस ग्रट, राइस स्टेम बोरर और राइस ग्रीन कैटरपिलर के खिलाफ प्रभावी ।
- लार्वा अवस्था से गुजरने वाले सभी कीटों के खिलाफ प्रभावी ।





# फलैगसी लार्वीसाइड - मात्रा एवं उपयोग

> 20 मि.ली./15 लीटर स्प्रे पंप ।

> स्प्रे मात्रा 200 मि.ली. प्रति एकड़



# फलैगसी फंगीसाइड

Activated Plant Protection



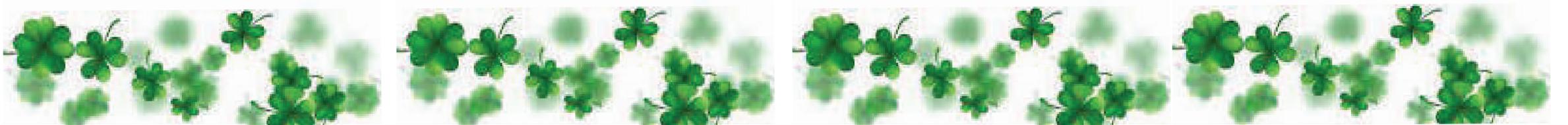
Net Vol : 250ml

- ❑ फफूंदी केक कोशिका झिल्ली को नष्ट करके उसको मारने से सहायता प्रदान करता है
- ❑ यह पौधे के संपर्क और प्रणाली गत फफूंदी नाशक के रूप में कार्य करता है
- ❑ इसका उपयोग रोग के निवारण तथा रोग को रोकने में किया जाता है सब की फसलों में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है

# फलैगसी फंगीसाइड



- ❑ एग्री - बायोफंगीसाइड स्टिमिक और कान्टैक्ट जैविक कवकनाशी दोनों प्रकार के रोगों को नियंत्रित करता है
- ❑ पौधों की पत्तियों में होने वाले सभी प्रकार के धब्बे , भूरे रंग के दाग , जड़ों का सड़ना , स्टेम क्लाइट्स और उनमें होने वाले विभिन्न रोगों को नियंत्रित करता है
- ❑ यह निवारक और उपचारात्मक दोनों है
- ❑ एक प्रणालीगत उत्पाद के रूप में इसमें फोलीयार या रूट एप्लिकेशन होता है जो पौधों में होने वाले रोगों को रोकने के लिए अपने तरीके से काम करता है ।



# फलैगसी फंगीसाइड- मात्रा एवं उपयोग

## उपयोग

1. फोलीयर स्प्रे:- प्रभावित क्षेत्रों पर ड्रेसिंग के लिए 20 मि.ली./15 लीटर स्प्रे पंप उपयोग करें ।



# फलैगसी बैक्टीरियोसाइड



Bio Activated Plant Protection



Net Vol : 100gm

- यह हानिकारक बैक्टीरिया को मारने के लिए व्यापक मात्रा में उपयोग किया जाता है
- यह मिट्टी जनित बीमारियों में अधिक प्रभावकारी होता है
- यह गैर विषैला तथा पौधों को बिना नुकसान पहुंचाए हुए बैक्टीरिया को बहुत कम समय में मारता है



## बैक्टीरियोसाइड - मात्रा एवं उपयोग

बैक्टीरियोसाइड 50Gm +150 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें

आंखों त्वचा से दूर रखें संपर्क होने पर पानी से धोए

# फलैगसी टर्मिसाइड



Bio Activated Plant Protection



Net Vol : 250ml

- > यह पूर्ण रूप से प्राकृतिक एवं विष मुक्त होता है
- > कीटनाशकों के साथ मिलाने से इसका कार्य क्षमता बढ़ जाता है
- > दीमक वलवार्म तथा एफिड के विरुद्ध बहुत ज्यादा प्रभाव कारी होता है
- > मिट्टी के तत्वों को बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाता है

# फलैगसी टर्मिसाइड - मात्रा एवं उपयोग

- 5मि.ली./लीटर



**Kalpamrit**  
Rejuvenate your Life

कल्पामृत के कोई भी प्रोडक्ट एक साथ दो ही मिक्स करने हैं एक्टिव स्पीड के अलावा जैसे:-

पावर ग्रो + टर्मि साइड

पावर ग्रो + फंगी साइड

बैक्टेरियो साइड+ फंगी साइड

एक्टिव स्पीड आप सभी प्रोडक्ट के साथ यूज कर सकते हैं

स्प्रे सुबह या शाम को करें

# बीज उपचार में उपयोग करने का तरीका:-

**बीज उपचार हेतु घोल(Solution):-**

पावर ग्रो 3ml + फंगीसाइड 2ml प्रति लीटर की मात्रा से घोल बनाएं

**बीज उपचार**

100kg बीज में 5lt घोल(Solution) से भगोएँ

**रूट ड्रिपिंग**

रोपाई से पहले जड़ों को 4-5 मिनट तक घोल(Solution) में डुबोएं।



# बीज उपचार के फायदे :

1. बीज का अंकुरण बोहोत अच्छा होगा ।
2. फुटाव अच्छे से होगा ।
3. जड़ों का विकास तेजी से होगा ।
4. फसल फफूंद जनक रोगों से बच पाएगी ।



# बिजनेस की संभावनाएं

1. एक किसान एक सीजन= ₹1000 कल्पामृत एग्री प्रोडक्ट यूज करता है
2. एक गांव में किसान= 50
3. एक व्यक्ति(डिस्ट्रीब्यूटर) यदि एक सीजन में 50 गांव में डेमो करता है = $50*50 = 2500$  किसान
4. यदि आपकी टीम में 100 ऐसे डिस्ट्रीब्यूटर हैं = $2500*100 = 2,50,000$  किसानों को डेमो किया जा सकता है
5. टोटल टर्नओवर=  $250000*1000 = 25$  करोड़



**10% = 2.5 करोड़**

**1% = 25 लाख**



# THANK YOU

